

सूत्या स्त्री. (तत्.) 1. सोमतर्पण 2. प्रसव।

सूत्या शौच पुं. (तत्.) सूतिका शौच, सूतिका की स्नान आदि से शुद्धि।

सूत्र पुं. (तत्.) 1. सूत, धागा, डोरा, तंतु 2. किसी प्रकार के रेशों का लंबा रूप या धातु का पतला तार 3. जनेऊ, यज्ञोपवीत 4. करधनी 5. करधनी के समान कमर में बाँधने का आभूषण 6. शरीर के अंदर की कोई मोटी नस 7. यंत्र या ताबीज लगी कोई डोरी जिसे बाँह में बाँधा जाता है या गले में पहना जाता है 8. किसी प्रश्न/पहेली/घटना आदि को हल करने में उपयोगी संकेत या कुंजी 9. किसी विचार या विषय के महत्वपूर्ण बिंदु 10. संक्षिप्त रूप से बताया गया कोई नियम या सिद्धांत जैसे व्याकरण के सूत्र 11. संक्षिप्त सांकेतिक कथन जो किसी प्रक्रिया या नियम को समझने में सहायक हो जैसे-रासायनिक सूत्र, गणित-सूत्र (फार्मूला) 12. गहन विषय का संक्षिप्त रूप में कथन जैसे पतंजलि योग सूत्र 13. साधन, माध्यम या स्रोत।

सूत्र कंठ पुं. (तत्.) 1. कंठ में जनेऊ/यज्ञोपवीत धारण करने वाला व्यक्ति/ब्राह्मण 2. कबूतर, खंजन या पेंडुरी पक्षी।

सूत्रक पुं. (तत्.) 1. सूत्र, तंतु या तार 2. माला, हार 3. सेवई नामक पकवान 4. लोहे के तारों का बना कवच।

सूत्रकर्ता पुं. (तत्.) 1. सूत्र की रचना करने वाला 2. सूत्र ग्रंथ का लेखक।

सूत्रकर्म पुं. (तत्.) 1. बढ़ई का काम, बढ़ईगिरी 2. जुलाहे का काम, जुलाहागिरी।

सूत्रकार पुं. (तत्.) 1. सूत्र बनाने वाला 2. सूत्र ग्रंथ का रचयिता 3. बढ़ई 4. जुलाहा।

सूत्रकृमि स्त्री. (तत्.) मल या गुदा में पाए जाने वाला धागे की तरह पतला, लंबा परजीवी कीड़ा जो कष्टदायक होता है।

सूत्रकोण पुं. (तत्.) डमरू नामक वाद्य-यंत्र।

सूत्र कोश पुं. (तत्.) सूत या धागे की लच्छी/अंटी।

सूत्र क्रीड़ा पुं. (तत्.) धागों की सहायता से कठपुतलियाँ नचाने का काम इसे 64 कलाओं में से एक कला माना जाता है।

सूत्र-ग्रंथ पुं. (तत्.) 1. वह ग्रंथ जिसमें सूत्रों का संग्रह हो जैसे- ब्राह्मसूत्र 2. सूत्र या सार रूप में प्रस्तुत ग्रंथ।

सूत्र ग्रह वि. (तत्.) सूत्र धारण या ग्रहण करने वाला।

सूत्रण पुं. (तत्.) सूत्र या धागा बनाने की क्रिया या भाव।

सूत्र-तुर्कटी स्त्री. (तत्.) तकली, सूत कातने का तकला या टेकुआ।

सूत्रधार पुं. (तत्.) 1. संस्कृत नाट्यकला में नाट्यशाला का व्यवस्थापक या प्रधान नट जो प्रस्तुत किए जाने वाले नाटक की प्रस्तावना सुनाता है और नाट्य संचालन करता है 2. कठपुतलि का तमाशा दिखाने वाला व्यक्ति 3. लाक्ष. किसी कार्य की संपूर्ण व्यवस्था का संचालक या नियंत्रक 4. बढ़ई।

सूत्रधारी स्त्री. (तत्.) 1. सूत्रधार की पत्नी, प्रमुख नटी 2. संचालिका या पूर्ण नियंत्रणकर्त्री स्त्री 3. सूत्र धारण करने वाला 4. ब्राह्मण।

सूत्रपात पुं. (तत्.) 1. भवन निर्माण के लिए नींव रखते समय की नाप-जोख 2. किसी योजना/कार्य का शुभारंभ/स्थापना।

सूत्र-पिटक पुं. (तत्.) 1. सूत्रों का पिटारा 2. बौद्धों के सूत्र संग्रह ग्रंथों का नाम। पालि भाषा में इन्हें "सुत्तपिटक" कहा जाता है। भगवान बुद्ध के कुल 3 पिटक माने जाते हैं, जिन्हें "त्रिपिटक" कहा जाता है।

सूत्र पुष्प पुं. (तत्.) कपास का पेड़।

सूत्रबद्ध वि. (तत्.) 1. सूत्रों के रूप में रखी गई बातें, सिद्धांत 2. सूत्र रूप में रचित ग्रंथ 3. क्रमबद्ध।

सूत्रयंत्र पुं. (तत्.) 1. करघा, सूत बनाने का यंत्र 2. करघे की ढरकी 3. सूत का बुना हुआ जाल।